www.ccsuniversity.ac.in

प्रायोगिक समाचार पत्र

परिसर

चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ

मेरठ, जनवरी, 2022- विशेषांक
अंक : 01

फ्रेशर्स पार्टी में भावी पत्रकारों ने दिखाई प्रतिभा 2

नवांकुर फिल्म महोत्सव-2021 का आगाज 3

देश के विकास में आगे आ रही नारी शक्ति 4

नव वर्ष, नव संकल्प, नव उमंग... सुस्वागतम

विश्वविद्यालय की कमान पहली बार एक महिला के हाथ

प्रो0 संगीता शुक्ला बनीं चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय की 30वीं कुलपति

ये रहेंगी प्राथमिकताएं :-

- नैक मूल्यांकन में ए-ग्रेड की प्राप्ति
- पठन पाठन को दुरुस्त करना, अनुशासन पर जोर
- समय पर प्रवेश, परीक्षा कराना और समय पर परिणाम निकालना
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति को पूर्णत: लागू करना
- शोध, नवाचार और पेटेंट पर जोर छात्र पढ़ाई के बाद रोजगार देने वाले बनें

परिसर संवाददाता

मेरठ। प्रोफेसर संगीता शुक्ला को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय का नया कुलपति बनाया गया है। उन्होंने अपना कार्यभार संभाल लिया है और कार्यभार संभालते ही अपनी प्राथमिकताओं पर तेजी से कार्य करना शुरू कर दिया है। उन्होंने विश्वविद्यालय की नैक ग्रेडिंग में सुधार करने, पठन पाठन को दुरुस्त करने और परीक्षा व परिणाम सही समय पर घोषित के साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने पर विशेष जोर दिया है।

जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर की दो बार कुलपति रह चुकीं प्रोफेसर संगीता शुक्ला शुक्रवार 24 दिसंबर की सायं मेरठ पहुंची और उन्होंने निवर्तमान कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा से कार्यभार ग्रहण किया। इसके बाद 30 दिसंबर को उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों और शिक्षकों के साथ पहली बैठक की और साफ किया कि विश्वविद्यालय में पठन पाठन सही होने के साथ ही परीक्षा समय से हों और परिणाम भी समय से घोषित किये जाने चाहिये। इसके लिए उन्होंने परीक्षा विभाग को पहले से ही परीक्षा का एक कैलेंडर बनाने को कहा है। प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने विश्वविद्यालय में अनुशासन पर विशेष जोर दिया। इससे पहले कार्यभार ग्रहण करते समय उन्होंने मीडिया से कहा था कि वे विश्वविद्यालय की नैक ग्रेडिंग को सुधारने पर विशेष रूप से काम करेंगी। उन्होंने कहा कि मेहनत से ही अच्छा परिणाम मिलता है। नैक मूल्यांकन में विश्वविद्यालय को ए-ग्रेड मिलेगा। उन्होंने कहा कि सीसीएसयू कभी एनआईआरएफ (नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क) में शामिल नहीं हो सका है। सीसीएसयू को इस रैंकिंग में लाने के पूरे प्रयास किये जाएंगे।

प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि उनकी दूसरी प्राथमिकता राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में जो सुझाव दिए गए हैं, उनको समझने के बाद लागू किया जायेगा। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो चुकी है, इसलिए इसमें जो कमियां हैं, उन्हें दूर करेंगे। विश्वविद्यालय में रिसर्च, प्रवेश, इनोवेशन और पेटेंट पर काम करेंगे। हर छात्र में मौजूद क्षमताओं को बाहर निकालने का प्रयाग होगा। वह इस पर भी काम करेंगी कि इस विश्वविद्यालय के छात्र पढ़ाई के बाद रोजगार लेने वाले के बजाय रोजगार देने वाले बनें। उन्होंने कहा कि सिर पर तिरंगे और विश्वविद्यालय का सम्मान बनाए रखना हर छात्र का ध्येय होना चाहिये। इसके लिये हमें उन्हें तैयार करना होगा।

उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर संगीता शुक्ला चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की पहली महिला स्थायी कुलपति हैं। इससे पहले 25 अगस्त 1999 से एक मार्च 2000 तक प्रोफेसर आशारानी सिंघल कार्यवाहक कुलपति रह चुकी हैं। प्रोफेसर संगीता शुक्ला इस विश्वविद्यालय की 30वीं कुलपति हैं।

नई कुलपति की प्रोफाइल

प्रोफेसर संगीता शुक्ला का जन्म 11 जुलाई 1961 को ग्वालियर में हुआ था। उनकी स्कूली शिक्षा ग्वालियर के कार्मल कान्वेंट स्कूल में हुई। वे एमएससी गोल्ड मेडलिस्ट हैं। उनकी विशेषज्ञता विषय विज्ञान और मेटाबॉलिज्म ऑफ ड्रग्स में है। उन्होंने 1988 में जंतु विज्ञान में पीएचडी हासिल की। उनके पास शोध और शिक्षण का लगभग 30 वर्ष का अनुभव है। उनके 99 शोध पत्रों का प्रकाशन हुआ है जिसमें व 44 राष्ट्रीय शोध पत्र और 53 अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र हैं। वे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) एक्सपर्ट कमेटी की पूर्व चेयरमैन भी रह चुकी हैं। इसके अतिरिक्त प्रो0 शुक्ला कई राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शोध एवं मूल्यांकन निकायों की सदस्य भी रही हैं।

ढोल-नगाड़ों के साथ विंटेज कार पर प्रोफेसर तनेजा को दी विदाई

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में 29 दिसंबर को कर्मचारी और अधिकारियों ने निवर्तमान कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा को भव्य समारोह में विदाई दी। बृहस्पति भवन में हुए समारोह में प्रोवीसी प्रो.वाई विमला, रजिस्ट्रार धीरेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी सुशील गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक अश्विनी शर्मा सहित शिक्षक एवं कर्मचारियों ने प्रोफेसर तनेजा का बुके देकर स्वागत किया। रजिस्ट्रार धीरेंद्र कुमार ने कुलपति के साथ किए कार्यों को साझा किया। कर्मचारियों ने प्रोफेसर तनेजा द्वारा उनके हित में लिए गए निर्णयों को याद कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। समारोह के बाद बृहस्पति भवन से प्रोफेसर तनेजा को ढोल-नगाड़ों के साथ लाया गया। बाद में उन्हें विंटेज कार में बैठाकर ढोल-नगाड़ों के साथ विदाई दी गई।

सम्पादकीय

सामर्थ्य के अनुसार मदद

यह तो अमिट सत्य है कि भारत एक दिन दुनिया का नेतृत्व अवश्य करेगा। आज जो परिस्थितियां कोरोना वायरस के चलते पूरे विश्व में बनी हैं, कहीं न कहीं दुनिया के बहुत सारे देश भारत की हो ओर आशा भरी नजरों से देख रहे हैं। अमेरिका जैसा देश भी भारत से मेडिसिन के मामले में गुहार लगा चुका है, भारत ने भी बड़े सहृदय से उसे स्वीकार किया, न केवल स्वीकार किया बल्कि यह भी घोषणा की कि विश्व के अन्य देशों में भी अगर भारत की कहीं आवश्यकता होगी भारत अपनी सामर्थ्य के अनुसार उसकी मदद करेगा।ब्रिक्स सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की ऑनलाइन बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि भारत दुनिया के लगभग 85 देशों को कोरोना से उबरने में मदद के लिए दवा उपलब्ध करा रहा है और यह मदद भी अनुदान के रूप में की जा रही है। भारत की सक्रियता विशेषकर इस वैश्विक स्वास्थ्य संकट के दौर में बहुत ही सराहनीय और सार्थक है। भारत प्रत्येक क्षेत्र में कूटनीति के मामले में विशेषकर स्वास्थ्य कूटनीति ने इसी पहलू को रेखांकित किया है कि वैश्विक स्वास्थ्य ढांचे में भारत कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शुरुआती दौर से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे लेकर आश्वस्त थे कि घरेलू मोर्चे को दुरुस्त रखना बड़ी प्राथमिकता है और उसके लिए कुछ कड़े उपाय भी किए गए लेकिन उन्हें यह भी भान था कि भारत को वैश्विक सक्रियता और सहयोग के लिए कदम बढ़ाने होंगे। कई अंतरराष्ट्रीय अवसरों पर विभिन्न बैठकों में उन्होंने अपने इस मंतव्य को प्रकट भी किया है। कोरोना के साथ-साथ भारत के सामने विशेषकर मोदी सरकार के सामने एक और बड़ी चुनौती आज देखने को मिल रही है जिसका जिक्र गुटनिरपेक्ष देशों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने नफरत के वायरस के रूप में फर्जी खबरों के जरिए फैलाए जा रहे जहर के रूप में किया था। भारत का विपक्ष आज कहीं ना कहीं यह दर्शाने, दिखाने और करने में असफल रहा है कि वह भारत सरकार के साथ खड़ा है। भारत की मुख्य विपक्षी पार्टी के कई बड़े नेता या यूं कहें कि शीर्षस्थ नेताओं के बयान यह दर्शाते हैं कि वह इस संकट के समय में भी तथ्यहीन एवं सत्यहीन बातें करके देश के साथ न्याय नहीं कर रहे, उनका यह चरित्र निश्चित रूप से गैर जरूरी होने के साथ-साथ निंदनीय भी है। वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था को समझने तथा उसको दुरुस्त करने के लिए भारत ने अपने स्वास्थ्य कर्मियों जिसमें विशेष रूप से भारतीय सेना के डॉक्टर्स को नेपाल, मालदीव और कुवैत आदि देशों में भेजा गया ताकि वह वायरस के खिलाफ स्थानीय मुहिम को धार देने में मददगार बनें। भारतीय मेडिकल स्टाफ सार्क देशों के स्वास्थ्य कर्मियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के साथ उनकी सहायता में जुटे हैं ताकि वह अपनी क्षमताओं में वृद्धि कर सकें। इस दौरान मोदी सरकार खाड़ी सहयोग परिषद यानी जीसीसी के सभी देशों के साथ सक्रिय संपर्क में रही। इन देशों की महत्ता इसी तथ्य से समझी जा सकती है कि वहां 50 लाख से अधिक भारतीय कामगार कार्यरत हैं जो हर साल करीब 40 अरब डालर की रकम भारत भेजते हैं। जब खाड़ी के कई देशों ने एचसीक्यू और पेरासिटामोल के लिए अनुरोध किया तो भारत ने इन देशों को आपूर्ति सुनिश्चित भी की। भारत के इन प्रयासों को दुनिया भर में बहुत प्रशंसा मिली है। भारत की सराहना में दुनिया के कई बड़े नेताओं के ट्वीट इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। यह बात कोई सामान्य बात नहीं है इसके व्यापक निहितार्थ हैं। इससे भारत और चीन को लेकर दुनिया के नजरिये में फर्क भी पता चलता है और भारत की छवि दुनिया के शीर्ष देशों में जो बनी है, वह आने वाले समय में भारत को कहीं न कहीं विकल्प के रूप में तलाश रही है।

फ्रेशर्स पार्टी में भावी पत्रकारों ने दिखाई प्रतिभा

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता और जनसंचार स्कूल में 15 दिसंबर 2021 को फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। यह फ्रेशर्स पार्टी बीजेएमसी प्रथम वर्ष और एमजेएमसी प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिये आयोजित की गई। पार्टी में भावी पत्रकारों ने न केवल रैम्प वॉक बल्कि गीत, संगीत और नृत्य में अपनी प्रतिभा का बखूबी प्रदर्शन किया।

फ्रेशर्स पार्टी में अनेक रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। प्रतिभागियों को गेम भी खिलाया गया। अंत में मिस फ्रेशर और मिस्टर फ्रेशर का चुनाव किया गया। निर्णायक की भूमिका अमरीष पाठक और लव कुमार सिंह ने निभाई। बीजेएमसी प्रथम वर्ष से शिवम प्रताप सिंह मिस्टर फ्रेशर चुने गये।

नैना को इस कक्षा से मिस फ्रेशर चुना गया। एमजेएमसी प्रथम वर्ष से ट्विंकल को मिस फ्रेशर, जबकि अंश राज शंकर को मिस्टर फ्रेशर चुना गया।

इससे पहले विभाग के निदेशक डॉ. प्रशांत कुमार के उद्बोधन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। डॉ. प्रशांत कुमार ने पत्रकारिता विभाग की शुरुआत से लेकर अब तक की यात्रा का संक्षिप्त ब्यौरा प्रस्तुत किया और नवागत छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने विभाग की पहली फ्रेशर्स पार्टी को याद करते हुए छात्र-छात्राओं का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर शिक्षणगण अजय मित्तल, श्रीमती बीनम यादव, प्रशासनिक अधिकारी मितेंद्र गुप्ता और स्टाफ सदस्य राकेश कुमार, उपेश दीक्षित, ज्योति आदि भी उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री चौ0 चरण सिंह की जयंती पर विश्वविद्यालय में कवि सम्मेलन का आयोजन

परिसर संवाददाता

मेरठ। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर 23 दिसंबर 2021 को साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद ने परिसर में कवि सम्मेलन का आयोजन किया। इस दौरान कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं का मन मोह लिया। इससे पहले विश्वविद्यालय में हवन का आयोजन किया गया।

कवि सम्मेलन में कवि प्रदीप सरावा ने 'कैसे मुमकिन है कि पानी में जाकर खुश्क रहें, डूबना पड़ता है मोती निकालने के लिए' पंक्ति से मन मोह लिया। ओज के कवि संजीव त्यागी ने 'हे खुद्दारी सीने में वतन की दुश्मन को बता देना, गिरेगा जहां लहू मेरा वही सरहद बता देना। अगर लिपट कर आऊंगा मैं ध्वज तिरंगे में, कभी तो कोई पूछे मेरा मजहब तो हिंदुस्तान बता देना' सुनाकर खूब तालियां बटोरी।

कवि मुमताज नसीम ने सुनाया- कई साल बाद मिले हो तुम कहां खो गए थे। जवाब दो मेरे आंसुओं को ना पूछो तुम मेरे आंसुओं का हिसाब दो। प्रियांशु गजेंद्र ने 'इतने निर्माही कैसे सजन हो गए, किसकी बाहों में जाकर मगन हो गए। लौटकर के ना फिर आए प्रदेश से, आदमी ना हुए काला धन हो गए।' सुनाकर खूब तालियां बटोरी।

इसी तरह कवि नदीम शाद, कवि सुमनेश सुमन, कवि विजेंद्र सिंह, कवि डॉक्टर कशिश मुरादाबादी, कवि मनवीर मधुर ने अपनी रचनाएं सुनाई। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा, प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला, प्रो. विघ्नेश त्यागी, कुलानुशासक प्रो. वीरपाल सिंह, प्रो. नवीन चंद लोहानी, प्रो. भूपेंद्र सिंह, प्रो. योगेंद्र सिंह, प्रो. विजय मलिक, मितेंद्र गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

छात्रों ने क्लिक कर कैमरे में कैद की विवि परिसर की खूबसूरती

परिसर संवाददाता

मेरठ। तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में गुरुवार 23 दिसंबर को 'ब्यूटीफुल कैंपस थ्रू द लैंस आफ कैमरा' विषय पर फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर फोटोग्राफी पर कार्यशाला भी आयोजित हुई।इस फोटोग्राफी प्रतियोगिता में कई थीम रखी गईं थीं। जैसे स्टूडेंट इन कैंपस, नेचर इन कैंपस, एरियल व्यू ऑफ कैंपस, नाइट व्यू ऑफ कैंपस और ब्यूटीफुल बिल्डिंग ऑफ कैंपस। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में बीएजेएमसी और एमएजेएमसी के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक फोटो खींचे। आलोक मोहन के फोटोग्राफ को प्रथम पुरस्कार मिला। नैना सिंह को द्वितीय पुरस्कार, जबकि कोपल त्यागी को तृतीय पुरस्कार दिया गया।प्रतियोगिता के निर्णायक आईएनपीजी कॉलेज की सहा. आचार्य डा0 दिशा दिनेश एवं आयुष्मान रहे। प्रतियोगिता के बाद हुई कार्यशाला में आयुष्मान ने भावी पत्रकारों को फोटोग्राफी की बारीकियों से परिचित कराया। उन्होंने फोटोग्राफी के संबंध में छात्र-छात्राओं के विभिन्न प्रश्नों का उत्तर भी दिया। कार्यशाला के बाद प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाणपत्र और ट्राफी प्रदान की गई।इस अवसर पर विभाग के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार, डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, लव कुमार सिंह, श्रीमती बीनम यादव भी उपस्थित रहे।

उपलब्धि : 14.49 लाख रुपये के शोध प्रोजेक्ट पर काम करेंगे विश्वविद्यालय के सात शिक्षक

परिसर संवाददाता।

मेरठ। शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के तहत शासन ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के 7 शिक्षकों के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। यही नहीं शासन ने इन प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के 7 शिक्षकों को 14.49 लाख रुपए की राशि भी जारी की है। इसमें सबसे ज्यादा भौतिक विज्ञान विभाग के शिक्षक प्रोफेसर वीरपाल के प्रोजेक्ट को सर्वाधिक राशि दी गई है। प्रोफेसर वीरपाल के प्रोजेक्ट को विश्वविद्यालय में सबसे ज्यादा व प्रदेश के 11 विश्वविद्यालय में तीसरे नंबर पर 467000 की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार मैथ विभाग से डॉ रमाकांत के प्रोजेक्ट को 148000 की धनराशि जूलॉजी से प्रोफेसर नीलू जैन गुप्ता के प्रोजेक्ट को 148000 सो रुपए जूलॉजी से ही प्रोफेसर संजय कुमार भारद्वाज के प्रोजेक्ट को 156000 प्रोफेसर बिंदु शर्मा के प्रोजेक्ट को 132000 प्रोफेसर दुष्यंत कुमार के प्रोजेक्ट को 142500 वही फिजिक्स विभाग से प्रशासन संजीव कुमार शर्मा के प्रोजेक्ट को 256000 की धनराशि स्वीकृत हुई है प्रोजेक्ट धनराशि का उपयोग उपकरण शोध सहायक केमिकल ग्लासवेयर उपभोज्य वस्तुओं पर व्यय किया जा सकेगा।

मुख्य संरक्षक: प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **संरक्षक:** प्रो0 वाई विमला (प्रति कुलपति) **मुख्य संपादक:** प्रो. प्रशांत कुमार, **संपादक:** डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, **संपादकीय सलाहकार**- लव कुमार सिंह, मितेंद्र गुप्ता, पेज सज्जा और **संपादकीय टीम:** मुस्कान कटारिया (बीजेएमसी पंचम सेमेस्टर), योगेश कुमार, नरेश सोलंकी (एमजेएमसी तृतीय सेमेस्टर) एवं बीजेएमसी तृतीय व पंचम सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं।

विश्वविद्यालय में हुआ नवांकुर फिल्म महोत्सव-2021 का आगाज

ऐसी फिल्म बने जो परिवार के साथ देखी जा सके : केजी सुरेश

परिसर संवाददाता

मेरठ। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलपति के.जी. सुरेश ने कहा कि "ऐसी फिल्म बनाएं जो परिवार के साथ देखी जा सके। वर्तमान में ऐसी फिल्में बनाई जा रही हैं जो परिवार के साथ देखी नहीं जा सकती हैं। भारतीय परिवार मूल्यों को नष्ट करने की साजिश रची जा रही है। अच्छी कहानियों को फिल्म का रूप देने की कोशिश करें। आजकल बिना पढ़े, लिखना और बिना सुने, बोल देने की परंपरा चल पड़ी है, क्योंकि हमने पढ़ना व लिखना छोड़ दिया है।" के.जी. सुरेश चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग तथा मेरठ चलचित्र सोसाइटी की ओर से बृहस्पति भवन में आयोजित नवांकुर फिल्म महोत्सव-2021 में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे रहे थे। यह कार्यक्रम 22 अक्टूबर को आयोजित किया गया।

के.जी. सुरेश ने कहा कि फिल्म या तो अच्छी है या फिर कम अच्छी है, क्योंकि हर निर्माता का उद्देश्य फिल्म को अच्छा बनाने का ही होता है। भारत में भारतीय सिनेमा है, हॉलीवुड या फिर बॉलीवुड की

क्या आवश्यकता है? आजकल मोबाइल के माध्यम से भी फिल्म बनाई जा सकती है, लेकिन इसके लिए अध्ययनशीलता बनाए रखें। अगर रचनात्मकता नहीं है तो फिल्म बनाने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने विश्व गुरू बनने का मार्ग प्रशस्त किया है। हम परीक्षा देने के लिए न पढ़ें, बल्कि खुद को जीवन के लिए तैयार करें। हर व्यक्ति से कुछ सीखने को मिलता है। अच्छा है कि कहानी और जीवनी को पढ़ें. एपिक चैनल को देखें, बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

कार्यक्रम में ऑनलाइन जुडे लेखक, निर्देशक आकाशादित्य लामा ने कहा कि पुरस्कार नहीं मिला है तो चिंता की बात नहीं है, कहीं और पुरस्कार मिलेगा। अपनी बात कितने अच्छे से कहते हैं, उसका प्रभाव कितना पड़ता है, यह सोचना चाहिए। मानव जाति के उत्थान के लिए कुछ नहीं किया तो जीवन बेकार है। हम जो फिल्म, नाटक, लघु कथा लिखते हैं, उसके बारे में विचार करना चाहिए कि विश्व को और देश को हम क्या संदेश देने जा रहे हैं। हमारी संस्कृति का सबसे बड़ा वाहक है सिनेमा। हम विश्व को क्या दे सकते हैं, इस बात को विचार कर फिल्म और उसकी पटकथा लिखनी चाहिए.

कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने की। निर्णायक भूमिका में नीता गुप्ता, सुमंत डोगरा व डॉ. दिशा दिनेश रही। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के निदेशक प्रो. प्रशांत कुमार ने सभी का स्वागत किया एवं मेरठ चलचित्र सोसाईटी के अध्यक्ष अजय मित्तल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

ये रहे प्रतियोगिता के विजेता

◆ **10 मिनट श्रेणी**

प्रथम- ऑक्सीजन (महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र)

द्वितीय- विभाजन की विभीषिका (पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ)

सांत्वना पुरस्कार – लगन देश सेवा की (पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ), नजरिया – (डीसीटी स्टूडियो), डिस्पोजल फैमिली (पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ), हिन्दी हैं हम (चंडीगढ़ विश्वविद्यालय पंजाब)

◆ **05 मिनट श्रेणी**

प्रथम – आंदोलन द ट्रूथ (एसआर डी मीडिया)

द्वितीय – मोबाइल के मारे हैं हम (पत्रकारिता विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ)

सांत्वना पुरस्कार - कैंची बाजार मेरठ (आईआईएमटी मीडिया प्रा. लिमिटेड), द फर्स्ट डे (पॉइंट एंड ऑफ द सेंटेंस), द अनरिकॉगनाइज्ड बोस (आईएमएस नोएडा), नॉट जस्ट ए ड्रीम (आईआईएमटी ग्रेटर नोएडा), लुक डू लाई (पत्रकारिता विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ)

- विश्वविद्यालय परिसर स्थित विष विज्ञान विभाग में कुलपति प्रो0 संगीता शुक्ला का स्वागत करते प्रो0 एसवीएस राणा।

तिलक पत्रकारिता स्कूल के छात्रों की लघु फिल्म को मिला प्रथम पुरस्कार

◆ **प्रेरणा चित्र भारती फिल्मोत्सव में 'मोबाइल के मारे' फिल्म ने बाजी मारी**

परिसर संवाददाता

मेरठ। नोएडा में 24 से 26 दिसंबर तक हुए प्रेरणा चित्रभारती फिल्मोत्सव में तिलक पत्रकारिता और जनसंचार स्कूल के छात्रों द्वारा निर्मित लघु फिल्म 'मोबाइल के मारे' को प्रथम स्थान हासिल हुआ। प्रथम पुरस्कार के रूप में पांच हजार एक सौ रुपये नकद और प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।लघु फिल्म 'मोबाइल के मारे' को 41 फिल्मों के बीच प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस लघु फिल्म का निर्माण चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक जनसंचार और पत्रकारिता स्कूल के छात्रों ने अपने शिक्षकों के साथ मिलकर किया है। इस फिल्म का लेखन और निर्देशन विभाग के शिक्षक लव कुमार सिंह ने किया था। फिल्म की फोटोग्राफी सूर्यप्रताप सिंह, कनुप्रिया नारायण और भारत अधाना ने की थी। फिल्म का संपादन कृष्णा चौधरी ने किया। फिल्म में वॉयस ओवर जिया मंतास का रहा। फिल्म में अनुष्का चौधरी, प्राची, अनिरुद्ध उदय, जेसिका सिंह, अर्पित, राकेश शर्मा और लव कुमार सिंह ने अभिनय किया। फिल्म निर्माण

में दीपांशी, सनोवर, मुस्कान सूरी, अनस सैफी, कपिल आदि का भी योगदान रहा। इस फिल्म में हास्यपूर्ण तरीके से यह दिखाया गया है कि मोबाइल किस प्रकार से हमारी जिंदगी को प्रभावित कर रहा है। फिल्म में यह दिखाने का प्रयास किया गया है कि हमें अपनी सेहत का ध्यान रखते हुए मोबाइल फोन का प्रयोग सावधानीपूर्वक करना चाहिये। इससे पहले चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ में 22 अक्टूबर 2021 को मेरठ चलचित्र सोसायटी और पत्रकारिता विभाग के लघु फिल्मोत्सव 'नवांकुर' में भी 5 मिनट की श्रेणी में इस फिल्म को दूसरा पुरस्कार हासिल हुआ था।

बना इतिहास - चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के दो प्रोफेसर बने कुलपति

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब यहां के दो-दो प्रोफेसर एक साथ कुलपति नियुक्त हुए हैं। प्रोफेसर हृदय शंकर सिंह को प्रदेश सरकार ने मां शाकंभरी विश्वविद्यालय सहारनपुर का प्रथम कुलपति नियुक्त किया है। इनके साथ ही सीसीएसयू के ही जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग के प्रोफेसर प्रदीप कुमार शर्मा को आजमगढ़ राज्य विश्वविद्यालय का कुलपति बनाया गया है।

प्रोफेसर एचएस सिंह चौधरी चरण विश्वविद्यालय में जंतु विज्ञान विभाग

के पूर्व अध्यक्ष और प्रति कुलपति रह चुके हैं। 2021 में सेवानिवृत्त होने के बाद वे आईआईएमटी विश्वविद्यालय मेरठ में कुलपति बने थे। वे 1986 में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में जंतु विज्ञान विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्त हुए थे। 2014 से 2018 तक वे प्रति कुलपति भी रहे। उनका जन्म प्रदेश के महाराजगंज जिले के भगवानपुर में हुआ था। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से जंतु विज्ञान में एमएससी और पीएचडी की है। वे सर छोटूराम इंजीनियरिंग कॉलेज में निदेशक भी रहे हैं। उन्हें 1983 से शिक्षण कार्य का अनुभव है।

उधर, आजमगढ़ राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति बनाए गए प्रोफेसर प्रदीप कुमार शर्मा के पास 24 साल का शिक्षण कार्य का अनुभव है। वर्ष 2010 से वह सीसीएसयू में प्रोफेसर रहे हैं। साथ ही वे विश्वविद्यालय में चीफ वार्डन, विभागाध्यक्ष और कई समतियों के सदस्य व समन्वयक भी रह चुके हैं। प्रोफेसर शर्मा का जन्म हापुड़ जिले के भरना गांव में हुआ था।

विश्वविद्यालय से निकले कुलपति

1- प्रोफेसर केसी पांडेय- सीसीएसयू में कुलपति रहे।
2- प्रोफेसर अरुण कुमार- गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति रहे।
3- प्रोफेसर एसवीएस राणा- बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी में कुलपति रहे।
4- प्रोफेसर एनके तनेजा- सीसीएसयू में ही कुलपति रहे।
5- प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा- मोतीहारी केंद्रीय विश्वविद्यालय में कुलपति हैं।
6- प्रोफेसर एचएस सिंह- शाकुंभरी विश्वविद्यालय सहारनपुर के कुलपति बने।
7- प्रोफेसर पीके शर्मा- आजमगढ़ राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति बने।

चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय का 33 वां दीक्षांत समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

छात्राओं को मिले सर्वाधिक पदक, छात्र फिर पिछड़े

देश के विकास में आगे आ रही नारी शक्ति:मा0 राज्यपाल

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय का 33वां दीक्षा समारोह बुधवार 22 दिसंबर को धूमधाम से आयोजित हुआ, जिसमें मेधावियों को उनकी मेहनत का फल मिला। दीक्षा समारोह के दौरान अधिकांश पदक छात्राओं की ही झोली में गए। छात्र पदक पाने में एक बार फिर छात्राओं से पिछड़ गए। पदक और डिग्री प्रदान करने के साथ छात्र-छात्राओं को देशहित और समाजहित में कार्य करने का संकल्प भी दिलाया गया। समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा और औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान, दिल्ली के निदेशक प्रो. नागेश कुमार मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षागृह में छात्र- छात्राओं को उपाधि और पदक दिए गए। कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। इसमें उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को बताया। कुलपति के संबोधन के बाद अतिथियों का आगमन हुआ। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने सीधे मेधावियों को मेडल देना शुरू किया। राज्यपाल ने 206 में 48 छात्र-छात्राओं को 53 पदक दिए। इसमें कुलाधिपति स्वर्ण पदक, पूर्व राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, किसान ट्रस्ट और अन्य प्रायोजित पदक शामिल रहे।

राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति आगे आ रही है। सीसीएसयू में सबसे अधिक पदक लड़कियों ने प्राप्त किए हैं। अभिभावकों से विनती है कि वे छात्रों से मेहनत करने के लिए कहें। लड़के पढ़ाई में पिछड़ रहे हैं। वे लड़कियों से स्वच्छ प्रतिस्पर्धा करके आगे बढ़ें। कुछ छात्र राजनीति में जाना चाहते हैं, लेकिन राजनीति के लिए भी पढ़ाई जरूरी है।

मुख्य अतिथि प्रो. नागेश कुमार ने युवाओं को देशहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि 40 वर्ष पहले 1981 में इसी विश्वविद्यालय से मुझे स्वर्ण पदक मिला था। 25 वर्ष पहले भारत को गरीब देश समझा जाता था। आज हमारी पहचान आईटी विशेषज्ञ के तौर पर हुई है। दुनिया में हर बड़ी आईटी कंपनी में भारतीय अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। देश प्रगति की ओर आगे बढ़ रहा है। युवाओं को हर चुनौती के लिए तैयार रहना होगा।

उपमुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री दिनेश शर्मा ने छात्रों को दीक्षा के बाद निरतंर अध्ययन करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि दीक्षा, शिक्षा का अंत नहीं है। विद्यार्थी की भूमिका हमेशा रहती है। श्रेष्ठ शिक्षक भी विद्यार्थी रहता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। समारोह का संचालन रजिस्ट्रार धीरेंद्र कुमार ने किया। प्रतिकुलपति प्रो. वाई विमला, कमिश्नर सुरेंद्र सिंह, जिलाधिकारी के. बालाजी भी उपस्थित रहे।

इन्हें मिला पदक -

कुलाधिपति स्वर्ण पदक महक सरन, पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक सीमा देबबर्मा को मिला। किसान ट्रस्ट नई दिल्ली से प्रायोजित चौ. चरण सिंह स्मृति प्रतिभा पुरस्कार के रूप में आठ हजार रुपये, प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न बीएससी कृषि की तृप्ति गोयल को और छह हजार रुपये पुरस्कार राशि व स्मृति चिह्न सिद्धांत तोमर को मिला। सीसीएसयू परिसर में प्रथम स्थान पाने वाले 15 छात्र-छात्राओं को प्रायोजित स्वर्ण पदक दिए गए। महाविद्यालयों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले नौ छात्र-छात्राओं को प्रायोजित स्वर्ण पदक मिले।

विभिन्न विषयों में सर्वाधिक अंक पाने वाले 154 छात्र-छात्राओं को कुलपति स्वर्ण पदक दिया गया। विवि परिसर के 22 छात्र-छात्राओं को मेरिट सर्टिफिकेट दिया गया। डा. लता शर्मा को डीलिट की उपाधि मिली। 102 छात्र-छात्राओं को पीएचडी व एलएलडी की उपाधि दी गई। सीसीएसयू में 127961 छात्र-छात्राओं को उपाधि बांटी गई। इसमें 33.21 प्रतिशत छात्र व 66.79 प्रतिशत छात्रा रहीं।

सम्मान पाकर खिले मेधावियों के चेहरे